>

Title: Need to set up gas grid in Gujarat.

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): उपाध्यक्ष महोदय, मुझे गुजरात में गैस ग्रिड में केंद्र द्वारा अवरोध के मुद्दे पर आपने बोलने के लिए जो मौका दिया है, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

गुजरात देश में गैस का घरेलू एवं वाणिज्यिक उपयोग करने वाला अग्रणी राज्य है। गुजरात तेजी से गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, लेकिन केंद्र की नीतियों की वजह से गुजरात को नुकसान होता है। गुजरात के पास खुद की गैस है, जमीन है, लेकिन उसे गैस आधारित अर्थव्यवस्था की तरफ नहीं बढ़ने दिया जा रहा है। अगर कोयले का उदाहरण लिया जाए तो कोयला उत्पादक राज्यों के लिए कोयला आपूर्ति तथा गैस उत्पादक राज्यों के लिए गैस की आपूर्ति के नियम भिन्न-भिन्न हैं। ऐसे में जहां कोयला उत्पादक राज्य अपने घरेलू संसाधन के कारण सस्ते कोयले की उपलब्धता से लाभान्वित होते हैं, वहीं गैस उत्पादक राज्य गुजरात को महंगी दर पर कोयला खरीदना पड़ता है।

गुजरात सरकार ने 2400 किलोमीटर लंबी गैस पाइप लाइन गुजरात में बिछाई है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार का कहना है कि राज्य को गैस ग्रिड स्थापित करने का अधिकार नहीं है। गुजरात राज्य सरकार ने इसे चुनौती भी दी है। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि केंद्र सरकार यह तय करने का अधिकार नहीं है कि किसी राज्य को गैस ग्रिड स्थापित करना चाहिए या नहीं। क्या राज्य सरकार यह तय नहीं करेगी? क्या केंद्र सरकार आकर किसी नगर पालिका क्षेत्र में पानी की लाइन बिछाएगी? मैं अत्यंत दुख के साथ कहता हूं कि अगर केंद्र सरकार गैस ग्रिड बिछाने में बीच में नहीं आती तो गैस ग्रिड की वजह से, गुजरात राज्य जो ऐसे भी विकसित है, उसकी और भी तस्वीर बदल जाती। मैं समझता हूं कि राज्य सरकार को प्रोत्साहित करने के रवैये से विरूद्ध केंद्र सरकार की नकारात्मक नीति न सिर्फ गुजरात के लिए बल्कि समग्र देश के लिए अन्यायी एवं घातक है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से नम्र निवेदन करता हूं कि गुजरात को गैस ग्रिड बिछाने में केंद्र सहयोग करे,

19.00 hrs.

–

उपाध्यक्ष महोदय : श्री विष्णु पद राय जी, कृपया आप अपनी बात संक्षेप में कहिए।